परिणामी बजट वर्ष 2017-18

विभाग- वन विभाग

विभागाध्यक्ष- प्रधान मुख्य वन संरक्षक

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2017-18	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
1	बिगड़े वनों का सुधार	बिगड़े वन क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने हेतु सुधार का कार्य प्रतिवर्ष किया जाता है । जिन क्षेत्रों में पर्याप्त जड़ भंडार होता है, वहां ठूंठ कटाई का कार्य कराया जाकर कापिस शूटस से नये पौधों का निर्माण एवं रिक्त स्थानों पर वृक्षारोपण का कार्य किया जाता है ।	1162000	35000 हे. में तैयारी एवं सी.बी.ओ. कार्य, 13000 हे. में रोपण, 160000 हे. में रखरखाव	
2	पर्यावरण वानिकी	शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने हेतु प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में पौधा रोपण, पथ वृक्षारोपण, पर्यावरण पार्क/पिकनिक स्पॉट का निर्माण एवं उनके रखरखाव का कार्य किया जाता है।	125000	02 लाख पौधों रोपण, 22 पर्यावरण पार्क/पिकनिक स्पॉट का संचालन	
3	संयुक्त वन प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण एवं विकास	राज्य में वनों के प्रबंधन एवं संरक्षण में जनसहभागिता हेतु संयुक्त वन प्रबंधन के सुदृढ़ीकरण एवं वन प्रबंधन तकनीकों के विकास की योजनाओं के कियान्वयन के लिए प्रशिक्षण ।	64350	राज्य की 2000 संयुक्त वन प्रबंधन समितियों का प्रशिक्षण कार्य एवं रोजगार मूलक कार्य	
4	राज्य में वानिकी अनुसंधान	प्रदेश में पूर्व से स्थापित क्लोनल सीड आरचर्ड,सीडलिंग सीड आरचर्ड, बीज उत्पादन केन्द्र, अनुसंधान प्लाट आदि के विकास एवं रखरखाव के कार्य कराए जाते हैं ।	14570	800 हे. बीज उत्पादन के क्षेत्र का रखरखाव, 03 अनुसंधान नर्सरी का रखरखाव	
5	भू एवं जल संरक्षण कार्य	भू-गर्भीय जल स्तर में वृद्धि करने एवं वनस्पति विहीन क्षेत्रों में भू-संरक्षण एवं बाढ़ नियंत्रण हेतु ।	214500	55000 हे. में उपचार कार्य, 75000 हे. का रखरखाव	
6	नदी तट वृक्षारोपण योजना	छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदियों के तट पर होने वाले भू-क्षरण की रोकथाम कर परिस्थितिकीय	85000		

परिणामी बजट वर्ष 2017–18

विभाग– वन विभाग

विभागाध्यक्ष– प्रधान मुख्य वन संरक्षक

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2017–18	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
		स्थायित्व प्रदान करना ।		220 हे. रोपण, 300 हे. तैयारी कार्य तथा 2100 हे. में पुराने रोपण का रखरखाव	
7	तेजी से बढ़ने वाले वृक्षारोपण बांस रोपण सहित	जैविक दबाव के कारण बिगड़े वनों की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए तेजी से बढ़ने वाली प्रजातियों का रोपण ।	135000	800 हे. में तैयारी, 750 हे. रोपण, 6500 हे. में पुराने रोपण का रखरखाव	
8	हरियाली प्रसार योजना	कृषकों को उनकी निजी पड़त भूमि में वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित करना ।	630000	308 लाख पौधों का रोपण तथा पुराने वृक्षारोपण का रखरखाव एवं अनुदान राशि का प्रदाय	
9	पौधा प्रदाय योजना	जन सामान्य में वृक्षारोपण के प्रति अभिरूचि उत्पन्न कर उनकी आर्थिक उन्नति तथा वनेत्तर क्षेत्रों में हरियाली के प्रसार हेतु रियायती दर पर पौधे उपलब्ध कराना।	11400	10 लाख पौधों का रोपण एवं वितरण ।	
10	बांस वनों का पुनरोद्धार	जिन क्षेत्रों में पर्याप्त पुराने भिर्रे होते हैं वहां भिर्रा सफाई एवं मिट्टी चढ़ाई का कार्य कराया जाकर भिर्रो का पुनरोद्धार किया जाता है । रिक्त क्षेत्रों में वृक्षारोपण का कार्य किया जाता है । जल एवं मृदा संरक्षण के कार्य कराए जाते है ।	420000	4000 हे. में तैयारी तथा बांस भिर्रा सफाई, 4900 हे. में रोपण, 100000 हे. में पुराने आर.डी.बी.एफ. एवं रोपण क्षेत्र का रखरखाव ।	
11	पथ वृक्षारोपण	राज्य शासन द्वारा सामान्य क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्गो, जिला मुख्य मार्गो तथा ग्रामीण मार्गो के किनारे वृक्षारोपण करने का निर्णय लिया गया है जिसके अंतर्गत पथ वृक्षाराकेपण एवं रखरखाव कार्य किया जाता है ।	66000	80 कि.मी सड़क किनारे वृक्षारोपण, 40 कि.मी तैयारी कार्य तथा 300 कि.मी रखरखाव ।	

परिणामी बजट वर्ष 2017-18

विभाग- वन विभाग

विभागाध्यक्ष- प्रधान मुख्य वन संरक्षक

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2017-18	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
12	अतिक्रमण व्यवस्थापन के बदले वृक्षारोपण	वर्ष 1980 के पूर्व की वन भूमि के अतिक्रमिकों को पट्टा वितरण हेतु भारत सरकार द्वारा लगाई गई वृक्षारोपण की शर्त की पूर्ति के लिए एवं रिक्त कराए गए अतिक्रमित क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं उसके रखरखाव का कार्य किया जाता है ।	44500	300 हे. में तैयारी, 300 हे. मे रोपण, 3700 हे. में पुराने रोपण का रखरखाव ।	
13	एकीकृत वन सुरक्षा योजना	आवागमन, संचार के साधन, जांच चौकियों का निर्माण, वाचटावर निर्माण, नेटवर्किंग एवं अग्नि सुरक्षा जैसे कार्यो के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाती है ।	180000	वनरक्षक/वनपाल आवास-30 भवन, रपटा/पुलिया निर्माण-65 नग, फायर लाईन रखरखाव-21000 कि.मी., फायर वॉच टावर-40, तालाब निर्माण-17 नग	
14	राज्य औषधि वनस्पति मंडल की स्थापना	वनौषधि बोर्ड की स्थापना एवं राज्य मे वनौषधियों के संरक्षण तथा विकास हेतु अनुदान ।	80000	राज्य में आयुर्वेद चिकित्सा हेतु आवश्यक वनौषधियों की रोपड़ी के माध्यम से तैयार कराना ।	
15	सड़कें तथा मकान निर्माण कार्य	वन विभाग के विभिन्न स्तर पर कार्यालय भवन निर्माण, विभागीय कर्मचारियों/अधिकारियों हेतु आवासीय भवनों एवं वन मार्गो का निर्माण कराया जाता है ।	148000	वन रक्षक एवं लिपिक-50, वनपाल-30, अन्य-18, वनमार्ग उन्नयन-65 कि.मी. वन विभाग के विभिन्न स्तर पर कार्यालय भवन निर्माण, आवासीय भवन निर्माण, वन मार्ग मुरमीकरण तथा सड़क निर्माण	
16	लघुवनोपज संग्राहक की सामूहिक बीमा योजना	तेदूपत्ता संग्रहण में संलग्न परिवारों को बीमा सुरक्षा ।	58000	राज्य के लगभग 12.65 लाख तेदूपत्ता पत्ता संग्राहक परिवारों को सामूहिक बीमा लाभ दिलाना ।	
17	वन मार्गो पर रपटा एवं पुलिया निर्माण	वन क्षेत्र से गुजरने वाले 13500 कि.मी. वनमार्गो पर 300 रपटा/पुलिया निर्माण करना जिससे वनग्रामवासीयों के आवागमन तथा वनोपज निकासी में सुविधा हो सके ।	145000	वनमार्गो में 350 रपटा/पुलिया निर्माण । प्रशासकीय नियंत्रण एवं गतिशीलता में वृद्धि होगी एवं आवागमन के साधनों में रपटा, पुलिया, पेट्रोलिंग रोड, रिटेनिंग वाल निर्माण, कच्चा माल क्रय एवं अन्य कार्य राज्य में समस्त राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारण्यों में वन्य प्राणियों का संरक्षण एवं प्रबंधन	

परिणामी बजट वर्ष 2017-18

विभाग- वन विभाग

विभागाध्यक्ष- प्रधान मुख्य वन संरक्षक

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2017-18	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
18	ग्राम वन समितियों के माध्यम से लघु वनोपज/औषधि रोपण	राज्य के वन क्षेत्रों में औषधि पौधों एवं अन्य लघु वनोपज का संवर्धन एवं विकास ।	82500	1200 हे. में तैयारी, 1100 हे. में रोपण, 3000 हे. में रखरखाव ।	
19	सामाजिक वानिकी	गैर वानिकी क्षेत्रों में रोपण कार्य तथा कृषकों को कृषि वानिकी हेतु प्रोत्साहित करना ।	33000	290 हे. में तैयारी, 220 हे. में रोपण, 2000 हे. में रखरखाव ।	
20	लघु वन उपज कार्य हेतु लघु वनोपज संघ को अनुदान	अराष्ट्रीयकृत लघुवनोपज क्रय में होने वाली हानि की प्रतिपूर्ति	170000	प्रसंस्करण केन्द्रो की स्थापना, प्रसंस्करण कार्य का प्रशिक्षण	
21	लाख विकास योजना	राज्य में लाख की खेती का विकास, प्रसंस्करण एवं विपणन कार्य किया जावेगा, जिससे ग्रामीणों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे ।	21000	2000 हितग्राहियों का प्रशिक्षण एवं प्रसंस्करण कार्य ।	
22	वन विकास उपकर निधि से व्यय	वनोपज के विक्रय पर लगाये गए वन विकास उपकर से प्राप्त होने वाले राशि को बिगड़े वनों का सुधार कार्य व वृक्षारोपण तथा भू-संरक्षण कार्यो पर व्यय किया जाता है	208000	2200 हेक्टेयर में तैयारी एवं रोपण तथा 20000 हेक्टेयर का रखरखाव करना	
23	लोक संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना	राज्य के विभिन्न जिलों में औषधी पौधों एवं अन्य लघु वन उपज के संरक्षण, विकास, मूल्य संवर्धन एवं विपणन में सुधार संबंधी कार्य कराया जाता है।	27000	9000 हे. में संरक्षण, 20 रोजगार मूलक केन्द्रों का संचालन	
24	राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम	राज्य वन विकास अभिकरण के अंतर्गत 32 वनमंडलों को सम्मिलित कर वन विकास अभिकरणों के गठन किये गये है।	918010	120000 हेक्ट. क्षेत्रा में वनीकरण कार्य	
25	बाड़ी बांस कार्यक्रम	बांस का उत्पादन वन क्षेत्रों के बाहर बड़े पैमाने पर किए जाने की आवश्यकता है। स्थानीय ग्रामीणो के निवास के साथ लगी हुई बाड़ियों	100000		

परिणामी बजट वर्ष 2017–18

विभाग– वन विभाग

विभागाध्यक्ष– प्रधान मुख्य वन संरक्षक

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2017–18	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
		में तथा अन्य स्थानों पर रोपण हेतु उन्नत बांस के पौधे/राईजोम उपलब्ध कराया जाकर कुछ वर्षो में बांस की पर्याप्त आपूर्ति गांव से ही हो सकेगी तथा वन विभाग पर ग्राम वासियो की निर्भरता कम होगी ।		लगभग 80000 कृषकों को न्यूनतम 5 एवं अधिकतम 50 पौधे निःशुल्क वितरण तथा बांस पौधों के रोपण	

परिणामी बजट वर्ष 2017-18

विभाग- वन विभाग

विभागाध्यक्ष- प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी)

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2017-18	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
1	वन्यजीवों का संरक्षण एवं विकास	वन्य जीवों का समुचित विकास के लिए आदर्श स्थिति विकसित करना	88000	03 राष्ट्रीय उद्यान एवं 11 अभ्यारण्यों में वन्यप्राणी के आदर्श पर्यावास विकसित करने हेतु तालाब निर्माण, गहरीकरण, एनीकट निर्माण, वाटर होल निर्माण, स्टाप डेम निर्माण, जल स्त्रोतों का विकास, रपटा निर्माण, इनक्लोजर निर्माण, पर्यटक मार्ग का कार्य, वाच टावर का निर्माण आदि कार्य ।	
2	मगरमच्छ संरक्षण योजना	मगरमच्छों के संरक्षण,विकास तथा मानव मगरमच्छ द्वंद को समाप्त करना	8200	वनमंडल जांजगीर चांपा के अंतर्गत मुढा तालाब में मगरमच्छ संरक्षण हेतु तालाब गहरीकरण फेसिंग कार्य, मगरमच्छ प्रजनन हेतु रेत बिछाई कार्य मगरमच्छों के पोषण हेतु मछली एवं अन्य जलीय जीवों की व्यवस्था/उत्पादन एवं उनके सामयिक वृद्धि की व्यवस्था, अन्य तालाबों में रह रहे मगरमच्छों को मूढ़ा तालाब मे स्थानान्तरण, मछली पालन, पर्यटकों के रूकने हेतु हट निर्माण आदि कार्य ।	
3	चिड़ियाघरों का विकास एवं उन्नयन	चिड़ियाघरों के देखभाल एवं संचालन	111159	**1.** नया रायपुर में जंगल सफारी की स्थापना **2.** रायपुर एवं बिलासपुर जिला के नंदनवन एवं कानन पेण्डारी मिनी जू के विकास के लिए हास्पिटल हेतु उपकरण क्रय, चीतल केज, मरम्मत कार्य, पालतू जानवरों के उपचार कार्य, मांसाहारी/शाकाहारी वन्यप्राणियो हेतु आहार व्यवस्था, मांसाहारी/शाकाहारी वन्यप्राणियों के लिये दवाई क्रय, वन्यप्राणियों के पिंजरों की साफ सफाई/रखरखाव कार्य, विद्युत व्यवस्था, सामग्री का क्रय, नींव जुड़ाई/ नींव खुदाई/ रेत भराई कार्य, फ्लोरिंग आदि कार्य	

परिणामी बजट वर्ष 2017-18

विभाग- वन विभाग

विभागाध्यक्ष- प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी)

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2017-18	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
4	राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्यों का विकास	राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारण्यों का विकास	100000	03 राष्ट्रीय उद्यान एवं 11 अभ्यारण्यों में वन्यप्राणी के आदर्श पर्यावास विकसित करने हेतु स्टाप डेम निर्माण, अग्नि सुरक्षा कार्य, वाच टावर कार्य, भवन निर्माण कार्य, रपटा/कलवर्ट निर्माण कार्य, वन्यप्राणियों के लिये पानी की व्यवस्था, तालाब निर्माण/ मरम्मत कार्य, घास विकास कार्य, दवाईयों का क्रय विभिन्न उपकरणों का क्रय आदि कार्य ।	
5	प्रोजेक्ट एलिफेंट	जंगली हाथियों के रहवास क्षेत्रों का विकास	20000	छत्तीसगढ़ राज्य में हाथी प्रभावित क्षेत्रों में जंगली हाथियों से सुरक्षा हेतु सोलर पावर फेंसिंग कार्य, वाटर बॉडीज का कार्य, कम्यूनिकेशन नेटवर्क, एलीफेन्ट कुनकी, मुआवजा राशि का भुगतान, एलीफेन्ट संरक्षण कार्य, प्रचार-प्रसार आदि कार्य ।	
6	नैसर्गिक पर्यटन का विकास	इस योजना के अंतर्गत नैसर्गिक पर्यटन के विकास हेतु प्रावधान रखा गया है ।	16500	पर्यटन स्थल में चबूतरा एवं पैगोड़ा निर्माण एवं अन्य कार्य ।	
7	प्रोजेक्ट टायगर	टायगर रिजर्व क्षेत्रों का विकास	150000	इन्द्रावती प्रोजेक्ट टायगर में अग्नि सुरक्षा, वाच टावर, भवन निर्माण, रपटा/कलवर्ट निर्माण, स्टाप डेम चेकडेम, तालाब निर्माण/ गहरीकरण कार्य, घास विकास कार्य, दवाइयों का क्रय विभिन्न उपकरणों का क्रय आदि कार्य ।	
8	अचानकमार-अमरकंटक बायोस्फियर रिजर्व का विकास	बायोस्फियर रिजर्व का विकास	25080		

परिणामी बजट वर्ष 2017-18

विभाग- वन विभाग

विभागाध्यक्ष- प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी)

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2017-18	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
				अचानकमार अमरकंटक बायोस्फियर रिजर्व में वन्यप्राणियों के रहवास क्षेत्रों के विकास, चेक डेम निर्माण, हेबीटेट एम्प्रूवमेंट, इको टूरिज्म, घास विकास कार्य, नल खुदाई, सर्वे कार्य, पेन्टस कार्य, हेल्थ केम्प कार्य, प्रचार-प्रसार एम्प्रूवमेंट फार अवेयरनेस, तालाब निर्माण कार्य, नलकूप खुदाई, स्टाप डेम कार्य, रपटा निर्माण कार्य ।	
9	जैव विविधता का संरक्षण	जैव विविधता का संरक्षण	93000	राष्ट्रीय उद्यान/अभ्यारण्यों के अतिरिक्त असंरक्षित क्षेत्रों में जहां वन्यप्राणी प्रचुर मात्रा में विचरण करते हैं, ऐसे वनमंडलों में भी तालाब/गहरीकरण, एनीकट स्टाप डेम निर्माण कार्य वन्यप्राणियों के प्रति लोगों में जागरूकता हेतु प्रचार-प्रसार, वनग्रामों के पालतू मवेशियों के संक्रमण बीमारी की रोकथाम हेतु टीकाकरण, जंगली मुर्गो के संरक्षण, प्रबंध योजना तैयार करना, उपकरण क्रय, पेट्रोलिंग केम्प निर्माण कार्य, जैव विविधता से संबंधित कार्य ।	
10	हाथी रहवास क्षेत्रों का विकास	राज्य के जशपुर, सरगुजा, कोरिया, रायगढ़, कोरबा, धर्मजयगढ़ जिलों के वन क्षेत्रों को हाथियों द्वारा अपना रहवास क्षेत्र बना लेने से वन क्षेत्रों से ग्राम क्षेत्रों में फसल एवं जान-माल के नुकसान से बचाव एवं हाथी-मानव द्वंद दूर करने हेतु प्रावधान रखा गया है	115500	छत्तीसगढ़ राज्य में हाथी प्रभावित क्षेत्रों में जंगली हाथियों से सुरक्षा हेतु सोलर पावर फेसिंग कार्य, वाटर बॉडीज का कार्य, कम्यूनिकेशन नेटवर्कस मुआवजा राशि का भुगतान, बांस वृक्षारोपण एवं प्रचार-प्रसार आदि कार्य ।	
11	वन्य प्राणी संरक्षित क्षेत्रों में प्राकृतवास का समन्वित विकास	संरक्षित क्षेत्रों के मैनेजमेंट प्लान अनुसार वन्यजीवों के रहवास क्षेत्रों का उन्नयन एवं विकास	48000		

परिणामी बजट वर्ष 2017–18

विभाग– वन विभाग

विभागाध्यक्ष– प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी)

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	बजट प्रावधान 2017–18	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	टिप्पणियां
				वन्यप्राणियों का उचित संरक्षण कर संख्या में वृद्धि तथा परिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा हेतु चारागाह विकास, पुलिया, रपटा, स्टॉप डेम, टैंक निर्माण, एनीकट निर्माण, मानसून पेट्रोलिंग, विज्ञापन, प्रचार-प्रसार एवं अन्य कार्य	
12	वन विकास उपकर निधि से व्यय	वनों के संरक्षण, संवर्द्धन एवं विकास पर व्यय	52000	400 हे. के वनों के विकास हेतु रोपण एवं रखरखाव कार्य	
13	बिगड़े वनों का सुधार बांस वनो सहित	राज्य के बिगड़े वनों के सुधार के लिये वृक्षारोपण, पुरोत्पादन के कार्य किये जाते है।	30000	टायगर रिजर्व के बफर क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं बिगड़े वनों के सुधार	
14	बांस वनों का पुनरोद्धार	जिन क्षेत्रों में पर्याप्त पुराने भिर्रे होते है वहां भिर्रा सफाई एवं मिट्टी सफाई का कार्य किये जाकर भिर्रो का पुनरोद्धार किया जाता है तथा रिक्त क्षेत्रों में वृक्षारोपण कर जल एवं मृदा संरक्षण के कार्य कराए जाते है।	11000	संरक्षित क्षेत्रों में बांस के वनों में भिर्रे की सफाई, भिर्रो का पुनरोद्धार किया जाना एवं रिक्त खेत्र में वृक्षरोपण कार्य किया जाना	
15	वनमार्गो पर रपटा एवं पुलिया निर्माण	राज्य के वनक्षेत्रों में आवागमन के साधन एवं वनोपज की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निर्मित किये जाने वाले रपटा एवं पुलिया निर्माण हेतु प्रावधान किया गया है।	24000	राज्य के समस्त राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभ्यारण्यों में वन्यप्राणियों का संरखण एवं प्रबंधन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। प्रशासकीय नियंत्रण एवं गतिशिलता में वृद्धि हेतु आवगमन के साधनों में रपटा, पुलिया, पेट्रोलिंग रोढ, रिटेनिंग वाल निर्माण	